बच्चों के लिए ४ प्रकार के धार्मिक कहानियां

KIDS GOD WORSHIP · Selah Ministry of publish christian

व्यवस्था १ **ईश्वर आपको प्यार करते हैं और वे आपके लिए अद्भुत परियोजना बनांते हैं।**

<यूहन्ना ३:१६> क्योंकि परमेश्‍वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जोकोई उस पर विश्‍वास करे वह नष्‍ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

व्यवस्था २ **पाप आपके और आपके बीच एक लंबी दूरी बनाकर आपको ईश्वर से अलग रखता है।**

<यूहन्ना ३:२३> इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्‍वर की महिमा से रहित हैं,

व्यवस्था ३ **यीशु ने आपके लिए अपना जीवन दिया और केवल उसी के माध्यम से आप परमेश्वर के पास जा सकते हैं।**

<१ पतरस ३:१८> इसलिये कि मसीह ने भी, अर्थात्‌ अधर्मियों के लिये धर्मी ने, पापों के कारण एक बार दु:ख उठाया, ताकि हमें परमेश्‍वर के पास पहुँचाए; वह शरीर के भाव से तो घात किया गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया।

व्यवस्था ४ **यदि आप अपने जीवन में यीशु का स्वागत करते हैं, तो आप परमेश्वर के बच्चे हो सकते हैं।**

<यूहन्ना १:१२> परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्‍वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात्‌ उन्हें जो उसके नाम पर विश्‍वास रखते हैं।

हमेशा के लिए याद रखिये।

<यूहन्ना ३:१६> क्योंकि परमेश्‍वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्‍वास करे वह नष्‍ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

<यूहन्ना ३:२३> इसलिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्‍वर की महिमा से रहित हैं,

<१ पतरस ३:१८> इसलिये कि मसीह ने भी, अर्थात्‌ अधर्मियों के लिये धर्मी ने, पापों के कारण एक बार दु:ख उठाया, ताकि हमें परमेश्‍वर के पास पहुँचाए; वह शरीर के भाव से तो घात किया गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया।

<यूहन्ना १:१२> परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्‍वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात्‌ उन्हें जो उसके नाम पर विश्‍वास रखते हैं।

मैं आपको हमारी गिरजा में सर्वाधिक आमंत्रित करना चाहता हूँ।

समय

स्थल

उमर

(प्रेरितों 16:31)
उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।"

साथ में मिलकर प्रार्थना करें।

प्रभु येशु मसीह, मैं आप पर **विश्वास** करना चाहता हूं। क्रूस में मेरे लिये अपने प्राण की **कुर्बानी** देकर, मेरे पापों की कीमत चुकाने के लिए **लिए बहुत बहुत धन्यवाद। अब**, मैं अपने हृदय का **द्वार खोलकर** येशु मसीह को अपने **उद्धारकर्ता** और अपने **परमेश्वर** के रूप में ग्रहण करता हूँ।मेरे पापों को क्षमा करने के लिए और मुझे अनन्त जीनि देने के लिए **बहुत बहुत धन्यवाद** आपको। मुझ पर शासन **कीजिए और** मुझे आपकी **पसंद** का **व्यक्ति बनाएं** जो आप चाहते हैं । मैं येशु मसीह के नाम में **प्रार्थना** करता हूँ। आमीन्

हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?

1. एक लंब तरी के से, इसे आधा में मोड़िये ।

2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।

3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

4. इसे ८ बराबर भागों में मोड़िये।

5. इसे क्षैतिज रूप से आधा मोड़नेके बाद, उसे कैंची से आधा काट लीजिए ।

काटनेके रेखा ———

6. अंत में, दोनों पक्षों को पकड़कर ध्यान से इसे केंद्र में धकेलकर मोड़िये।

7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!

हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?

1. एक लंब तरी के से, इसे आधा में मोड़िये ।

2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।

3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

4. इसे ८ बराबर भागों में मोड़िये।

5. इसे क्षैतिज रूप से आधा मोड़नेके बाद, उसे कैंची से आधा काट लीजिए ।

काटनेके रेखा ———

6. अंत में, दोनों पक्षों को पकड़कर ध्यान से इसे केंद्र में धकेलकर मोड़िये।

7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!

हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?

1. एक लंब तरी के से, इसे आधा में मोड़िये ।

2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।

3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

4. इसे ८ बराबर भागों में मोड़िये।

5. इसे क्षैतिज रूप से आधा मोड़नेके बाद, उसे कैंची से आधा काट लीजिए ।

काटनेके रेखा ———

6. अंत में, दोनों पक्षों को पकड़कर ध्यान से इसे केंद्र में धकेलकर मोड़िये।

7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!

हम इसे एक किताब में कैसे बना सकते हैं ?

1. एक लंब तरी के से, इसे आधा में मोड़िये ।

2. अब मोड़ को खोलें और फैलाएं। इस बार एक क्षितिज तरीके से, इसे आधा में मोड़िये।

3. बीच के रेखा के साथ एक सीध में रखिये, और कागज के दोनों किनारों को आधा में मोड़िये।

4. इसे ८ बराबर भागों में मोड़िये।

5. इसे क्षैतिज रूप से आधा मोड़नेके बाद, उसे कैंची से आधा काट लीजिए ।

काटनेके रेखा ———

6. अंत में, दोनों पक्षों को पकड़कर ध्यान से इसे केंद्र में धकेलकर मोड़िये।

7. अब, यह पूरा तैयार हो गया है!